UNIT 2 HISTORY POLITICS AND ECONOMICS OF EDUCATION

Q1. शैक्षिक अवसरों की समानता की अवधारणा का निहितार्थ है

(a) विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं गणवेश मुहैया कराना

(b) विद्यार्थियों को उनकी योग्यतानुरूप संसाधन उपलब्ध कराना

(c) विद्यार्थियों को अधिकाधिक विषयों को सीखने के लिए प्रोत्साहित करना

(d) विद्यालय आधारित परीक्षाओं में सफलता हेतु अधिगम की परिस्थितियों को इष्टतम बनाना

Q1. The concept of equalization of educational opportunities implies :
(1) Providing books and uniform to learners
(2) Providing resources to learners as per their ability
(3) Encouraging learners to study as many subjects as they can
(4) Optimising learning conditions for success in school board examinations

Q2. Which of the following combinations will represent the disadvantaged section of Indian Society ?
(i) Tribes
(ii) Religious groups
(iii) Slum dwellers
(iv) Contractual labourers
(v) Scheduled Castes
(vi) City dwellers

Code :
(1) (i), (iii), (iv) and (v) (2) (i), (ii), (iii) and (iv)
(3) (i), (ii), (iv) and (v) (4) (i), (ii), (v) and (vi)

Q2. निम्नांकित में से समूहों का कौन-सा सम्मिश्र भारतीय समाज के अन्तर्गत सुविधावंचित संवर्ग का प्रतिनिधित्व करता है?

study of education

1. जन-जातियाँ

2. धार्मिक उपवर्ग

3. मलिन बस्ती निवासी

4. संविदाकृत श्रमिक

5. अनुसूचित जातियाँ

6. शहरी निवासी कूट

(a) 1, 3, 4 और 5

(b) 1, 2, 3 और 4

(c) 1, 2, 4 और 5

(d) 1, 2, 5 और 6

study of education

3. Disadvantages of Bottom-up approach of Budgeting are that the budget

1. May not be synchronous with the overall Objectives of the organisation.
2. Will be more realistic.
3. Can be quite accurate.
4. Preparation may be slow.

Select the answer from the options given below.
(a) 1 and 2
(b) 3 and 4
(c) 1 and 4
(d) 2 and 3

3. बजटिंग के 'निम्न से उच्च उपागम की हानियाँ यह हैं कि बजट

1. संगठन के समग्र लक्ष्यों के अनुरूप न हो।

2. अधिक वास्तविक हो।

3. बिल्कुल सटीक हो सकता है।

4. की तैयारी धीमी हो सकती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) 1 और 2

(b) 3 और 4

(c) 1 और 4

(d) 2 और 3

4. What are the reasons for the negligible number of Studies of Cost-Effectiveness Analysis (CEA) of projects in the field of Education?

1. Evaluator's inadequate background in CEA
2. Lack of requisite exposure in CEA
3. Lack of familiarity of the decision-makers with CEA
4. Less weightage assigned to educational concepts in CEA

Select your answer from the options given below.
(a) 1, 2 and 3
(b) 2, 3 and 4
(c) 3, 4 and 6
(d) 1, 3 and 4

study of education

4. शिक्षा के क्षेत्र में परियोजनाओं के लागत-प्रभाविकता विश्लेषण (सी ई ए) के अध्ययनों की नगण्य संख्या के क्या कारण हैं?

1. सी ई ए में मूल्यांकन की अपर्याप्त पृष्ठभूमि।

2. सी ई ए में अनिवार्य अभिज्ञता का अभाव।

3. सी ई ए के साथ निर्णय लेने वालों की सुविज्ञता का अभाव।

4. सी ई ए में शैक्षिक संकल्पनाओं को कम महत्त्व देना।

5. सी ई ए में शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावकारिता की अतिचिन्ता।

नीचे दिए गए विकल्पों में से अपना उत्तर चुनिए

(a) 1, 2 और 3

(b) 2, 3 और 4

(c) 3.4 और 5

(d) 1,3 और 4

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं-पहला कथन अभिकथन (A) के रूप में अंकित है और दूसरा तर्क (R) के रूप में अंकित है

अभिकथन (A) बजट, किसी दी गई समयावधि का व्यय और प्राप्तियों का सन्तुलित आकलन है।
तर्क (R) किसी शैक्षणिक प्रशासक के हाथों में, बजट पिछले प्रदर्शन का एक दस्तावेज, वर्तमान नियन्त्रण का एक प्रकार और भविष्य की योजनाओं का प्रक्षेप है।

उपरोक्त दोनों कथनों के आलोक में दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है

(b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) A सही है, किन्तु R गलत है

(d) A गलत है, किन्तु R सही है

5. Given below are two statements one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).
Assertion (A) A budget is a balanced estimate of expenditure and receipts of a given period of time.
Reason (R) In the hands of an educational administrator, the budget is a record of past performance, a method of current control and a projection of future plans.

In the light of the above two statements, choose the correct option.
(a) Both A and R are true and R is the correct explanation of A

study of education

(b) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A
(c) A is true, but R is false
(d) A is false, but R is true

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं-पहला कथन अभिकथन (A) के रूप में अंकित है और दूसरा तर्क (R) के रूप में अंकित है

अभिकथन (A) पुरातन भारत में, विद्यार्थी की आन्तरिक प्रकृति या चरित्र का विकास, शिक्षा के अनिवार्य लक्ष्यों में से एक माना जाता था।
तर्क (R) चरित्र के विकास के बिना केवल बौद्धिक विकास, विद्यार्थीवृत्ति के मूल लक्ष्यों को विफल करेगा।

उपरोक्त दोनों कथनों के आलोक में सही विकल्प चुनिए

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

6. Given below are two statements one is labelled as: Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
Assertion (A) In ancient India, the development of the inner nature of character of the student was deemed as one of the essential objects of education.
Reason (R) Mere intellectual development without the development of character will defeat the very ends of studentship.

In the light of the above two statements, choose the correct option.
(a) Both A and Rare true and R is the correct explanation of A
(b) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A
(c) A is true, but R is false
(d) A is false, but R is true

study of education

निर्देश निम्नलिखित गद्यांश को सावधानी से पदिए तथा सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ज्ञान हेतु कोई सरल उपाय नहीं है। इसका प्रमुख कारण यह है कि यथार्थ एक सृजनात्मक कार्य व्यापार है। ज्ञान को इसके अनुरूप होने के लिए इसे एक सृजनात्मक क्रिया का रूप लेना चाहिए। इसलिए मैं किसी यथार्थ की अभिव्यक्ति को उसकी प्रक्रिया से परे नहीं मानता। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि ऐसे अनुभव के महत्त्व को नकारा जाए, अपितु केवल संज्ञानात्मक मूल्य के रूप में इस सत्य को स्वीकार किया जाए। इससे लोगों को कम-से-कम यह आश्वासन मिलता है कि वे ऐसी सृजनात्मक प्रक्रिया में निहित प्रतिभागिता सम्बन्धी कठोरता को अक्षुण्ण रखें, जो अपने आपमें एक यथार्थ हो, इसके शिखर पर यह उस काल्पनिक समाज के अंगभूत रूप में कार्य करता है, जिससे मानव अभिनव मूल्यों के सर्जक बनें तथा शुभ एवं सुन्दर के उद्भावक। तथापि मैं एक निरपेक्ष एवं शाश्वत् मूल्यों के आदर्श से असहमत हूँ, क्योंकि ये कल्पित हैं। किसी अन्य प्रकार के सृजन की भाँति कल्पना कुछ भी न होने से कुछ कल्पना करना नहीं है, अपितु इस प्रकार यह पुनः रचित या पुनः संयोजित होने की प्रक्रिया है। इस प्रकार कल्पना अनुभव से अनुबन्धित होती है और इससे ज्ञान के एक लघु सोपान की सीमाओं को ही बढ़ाया जा सकता है। समाज सभी मूल्यों का भण्डार गृह है। यह सत्यम्, शिवम् एवं सुन्दरम् के निर्धारण में अन्तिम निर्णायक होता है। सत्यम्, शिवम् या सुन्दरम् वही होता है, जिसे समाज मानक के रूप में प्रतिष्ठित करता है। हम जानते हैं कि ऐतिहासिक दृष्टि से एक समाज निकाय होता है, जिसमें सत्यम्, शिवम् एवं सुन्दरम् के मानक पृथक्-पृथक् रूप में विहित होते हैं और इनमें परस्पर द्वन्द्व भी सम्भव है। हम निःसन्देह एक ऐसे एकल समाज की कल्पना कर सकते हैं, जो सभी लोगों के लिए स्वीकार्य हो। ऐसे काल्पनिक समाज की दिशा में लोग अपने दायित्वों में ही सिमट जाते हैं।

इस बात की कल्पना करना सम्भव है कि मानववादी आदर्श क्यों पूर्ण या अन्तिम होता यहाँ ऐसे समाज की कल्पना की जा सकती है, जिसमें मानवता अधिक हो। वास्तव में, वैज्ञानिकों ने यह संकेत दिया है कि मानवता को ऐसे कर्तव्य का निर्वहन करना पड़ सकता है, जो मानवेतर प्रकार का भी हो और उसमें अत्यधिक मानव शोषण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़ी उपयोगितावादी सर्व-स्वीकृत भावना भी न हो।

7. ज्ञान और यथार्थता के बीच की अनुरूपता में निम्नलिखित में से क्या निहित होता है?

(a) मूल्य निर्माण

(b) यान्त्रिक कृत्य

(c) सृजनात्मक प्रक्रिया

(d) संज्ञानात्मक मूल्य सत्य

8. सृजनात्मक प्रक्रिया में प्रतिभागिता सर्वोच्च होती है

(a) मानव को इसे बनाए रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में

(b) प्रतिभागिता की प्रक्रिया को तनावपूर्ण रखने में

(c) निरपेक्ष मूल्यो के सृजन को अग्रसर करने में

(d) नए आदर्शों के उद्भावक होने में

9. कल्पना का प्रकार्य है

(a) पहले से ज्ञात दो वस्तुओं का संयोजन

(b) कुछ न होने पर कुछ करना

(c) सुधार और संयोजन

(d) सुधार और संयोजन नए तरीके से करना

10. किस कारण से मूल्यों के मानक अलग-अलग होते हैं?

(a) समाज में मतभेद होने से

(b) समाज में मूल्यों का टकराव होने से

(c) वैयक्तिक मूल्यों में टकराव से

(d) समाज के दायित्वों से

11. लेखक के अनुसार मानवतावादी आदर्श है

study of education

(a) नियत और अन्तिम

(b) सापेक्ष और चुनौतीपूर्ण

(c) निरपेक्ष और अन्तिम

(d) व्यापक और वृहद्

Directions (Q. Nos. 91-95) Read the following paragraph and answer the five questions which as follows:

There is no short cut to knowledge. Just because Reality is a creative activity, knowledge to correspond to it, must in turn be a creative activity. Hence, I must deny the revelation of any reality transcending the process. That is not deny all value to such experience, but only cognitive value-truth. At its lowest, it gives men the assurance necessary to enable them to maintain the strenuous activity of participation in the creative process that is reality itself. At its highest it is as members of an imaginary society that human beings may become the creators of new values and originate new ideals of the good and of beauty, but I still deny any absolute or eternal value to the ideals thus imagined, because they are imagined. Imagination, like any other kind of creation, is not making something out of nothing, but reshaping and recombining in a new way what is already known. Imagination is thus conditioned by experience and can only just advance the boundaries of knowledge a small step. Society is the repository of all values, the ultimate arbiter of Truth, Goodness and Beauty. The Good the True or the Beautiful is just what society establishes as the standard. We know in history only societies and therefore there are different standards of Goodness, Truth and Beauty and these may conflict. We can of course imagine a single society embracing all men. Toward such an imaginary society, men conceive themselves bound by obligations.

It is possible to see why the humanist ideal is not absolute or final. It is possible to imagine a society comprising more than humanity. Indeed, scientists have hinted that humanity may owe a duty to non-human nature and that not only in the generally recognised utilitarian sense of conserving natural resources for more economical human exploitation.

7. The correspondence between knowledge and Reality implies
(a) making of value
(b) a mechanical act
(c) a creative process
(d) a cognitive value truth

8. Participation in the creative process at its highest
(a)Gives men a certainty to maintain it.
(b) the process of participation is full of tension.

(c) leads to creation of values of absolute nature.
(d) is the originator of new ideals.

9. The function of imagination is
(a) Recombining two things already known.
(b) making something out of nothing.
(c) reforming and recombining.
(d) reforming and recombining in a new way.

10. Standards of value differ because of
(a) Difference in society.
(b) conflicting value in society.
(c) conflict in personal values.
(d) obligations of societies.

11. According to the author "Humanistic ideals are
(a) fixed and final.
(b) Relative and challenging.
(c) absolute and final.
(d) broad and encompassing.

12. किसी बजट के अनिवार्य घटक होते हैं?

(a) भवन और अवसंरचना

(b) आय और व्यय

(c) नीति और कार्यक्रम

(d) शुल्क और वेतन

12. The essential components of a budget are
(a) Building and Infrastructure
(b) Income and Expenditure
(c) Policy and Programmes
(d) Fees and Salary

13. स्कूल के बस्ते के बोझ को कम करने की सिफारिश किसने की थी?

study of education

(a) यशपाल समिति

(b) राष्ट्रीय महिला आयोग

(c) राममूर्ति समिति

(d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति,1986

13. The recommendation to reduce the burden of school bags was given by

(a) Yashpal Committee
(b) National Commission for Women
(c) Ramamurti Committee
(d) National Education Policy 1986

14. एन सी एफ (2005) के अनुसार, पाठ्यक्रम विकास के प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धान्तों में शामिल हैं?

1. विद्यालय से बाहर के जीवन से शिक्षा को जोड़ना।

2. अधिगम को रटन्त विधि से अलग किया जाना सुनिश्चित करना।

3. पाठ्यपुस्तकों से आगे ले जाकर पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाना।

4. दिव्यांगता के चिकित्सीय प्रतिमान के साथ इण्टरफेसिंग।

5. प्रभुत्व की संस्कृति पर ध्यान केन्द्रित करना। निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें

(a) 4,1 और 3

(b) 5, 2 और 1

(c) 3, 2 और 5

(d) 1, 2 और 3

14. According to NCF (2005), the salient guiding principles of curriculum development include
1. connecting knowledge to life outside the school.
2. ensuring that the learning shifts away from rote methods.
3. enriching curriculum beyond textbooks.

study of education

4. interfacing with medical model of disability,
5. focusing on the dominant culture.
Choose the most appropriate answer from the options given below.
(a) 4, 1 and 3
(b) 5, 2 and 1
(c) 3, 2 and 5
(d) 1, 2 and 3

study of education